SN – 109

III Semester B.C.A./B.Sc. (F.A.D.) Examination, Nov./Dec. 2017
(CBCS) (2016-17 and Onwards)
(F+R)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Arthagrahan Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए : **(1×10=10)**

1) देवीप्रसाद की बेटी का नाम क्या है ?
2) ''युगे युगे क्रांति'' – नाटक के नाटककार का नाम लिखिए ।
3) विधवा विवाह का विरोध किसने किया ?
4) शारदा अपनी शादी के लिए किसे चुनती है ?
5) अन्विता के द्वारा किस क्रांति का आरंभ हुआ ?
6) पुलिस किसे गिरफ्तार करके ले जाती है ?
7) अनिरुद्ध किसका बेटा था ?
8) दूसरा व्यक्ति किस युग का प्रतिनिधित्व करता है ?
9) किसके नियंत्रण पत्र में नेलसन का नाम लिखा था ?
10) सुरेखा किसकी बहन है ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **(2×7=14)**

1) शोर मचानेवाले कायर होते हैं । उनमें क्रांति का सामना करने का साहस नहीं होता । कायर कभी सदाचारी नहीं हो सकता ।
2) मैं उस पर हजारों बेटों को कुरबान कर सकता हूँ लेकिन किसी के सामने झुक नहीं सकता ।
3) अनुभव स्थापित सत्यों की रक्षा करता है लेकिन क्रांति नये सत्यों की खोज करती है ।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

III. ''युगे-युगे क्रांति'' – नाटक का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश ड़ालिए । 16

अथवा

'युगे-युगे क्रांति' नाटक के पुरुष पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(2×5=10)

IV. किन्ही **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

1) शारदा ।

2) कलावती ।

3) 'युगे-युगे क्रांति' नाटक का संदेश ।

(10×1=10)

V. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

कपिलवस्तु में शुद्धोधन नामक एक राजा राज्य करते थे । उनके पुत्र का नाम सिद्धार्थ था । राजा शुद्धोधन के दूसरे पुत्र का नाम देवदत्त था । दोनों भाइयों के स्वभाव में जमीन-आसमान का अंतर था। एक दिन दोनों भाई बगीचे में खेल रहे थे । तभी आकाश में एक हंस उड़ता दिखाई दिया । देवदत्त ने अपने धनुष से उस हंस पर निशाना लगाया और वह घायल होकर नीचे गिर पडा । उस हंस को लेकर सिद्धार्थ ने तीर निकाला और मरहम-पट्टी की । तभी देवदत्त उसके पास आया और हंस को भगाने लगा । वह बोला ''मैंने इसे तीर से गिराया है, अत: यह हंस मेरा है'' । उसकी बात सुनकर सिद्धार्थ ने उत्तर दिया ''यह हंस मेरा है क्योंकि मैंने इसे बचाया है'' ।

1) सिद्धार्थ और देवदत्त के पिता का नाम क्या था ?

2) सिद्धार्थ और देवदत्त के पिता कहाँ के राजा थे ?

3) सिद्धार्थ और देवदत्त के स्वभाव में क्या अंतर था ?

4) सिद्धार्थ ने हंस पर अपना अधिकार क्यों बताया ?

5) देवदत्त ने हंस को किस आधार पर अपना कहा ?

6) आपकी दृष्टि में हंस पर किसका अधिकार उचित है ?

7) 'मेरा' – शब्द का बहुवचन रूप लिखिए ।

Scanned by CamScanner

8) 'पुत्र' – शब्द का समानार्थक शब्द लिखिए ।

9) दोनों भाई कहाँ खेल रहे थे ?

10) हँस की मरहम पट्टी किसने की ?

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाइ शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए । 10

दहेज प्रथा हिन्दू समाज का शत्रु तथा उस पर एक कलंक के समान है । इस कुप्रथा के कारण समाज में बाल–विवाह तथा विवाह–विच्छेद जैसी अनेक कुरीतियों ने जन्म ले लिया है । इसमें समाज की प्रगति रुक जाती है । इसके कारण कितनी ही स्त्रियाँ विवाह के बाद जलाकर मार दी जाती है । इस प्रथा के कारण आज के हिन्दू समाज में विवाह एक व्यापार बन कर रह गया है प्राचीन काल में तो यह प्रथा केवल ऊँचे कुलों में ही होती थी परंतु, आजकल तो यह प्राय: प्रत्येक परिवार में देखने को मिलती है । अत: हिन्दू समाज में इस कुप्रथा को समूल नष्ट करना होगा ।

Scanned by CamScanner